ऊर्जा प्रवाह फॉर्मूला

हम सब कुछ दिनों में ही किसी प्रयोग का परिणाम चाहते हैं। इतनी जल्दी क्यों है आखिर हमें! जो पिछला आपने किया, उसका परिणाम क्या आपको तुरंत मिल गया। उसमें भी तो समय लगा ना। तो जब समय लग रहा है, तो प्रयोग में भी तो समय लगेगा ना, और वो इस बात पर निर्भर करेगा कि प्रयोग करने वाले की फ्रिक्वेंसी क्या है।

यह बात आज वैज्ञानिक रूप से सिद्ध की जा चुकी है कि अगर एक साधारण विचार आपके मन में आये, चाहे वो सकारात्मक हो, चाहे वो नकारात्मक, उसका परिणाम तीन से चार महीने में सबके समाने आ ही जाता है। चाहे उस विचार की फ्रिक्वेंसी कम से कम हो। तो अभी जो कुछ भी आपके साथ आज के समय में घटनायें घट रही हैं, या कुछ भी ऊपर-नीचे हो रहा है, तो वो आज का नहीं है। पिछले तीन चार महीने पहले का है, या फिर साल का भी हो सकता है। यहाँ इस बात पर ज़ोर देकर हम उल्लेख करना चाहेंगे कि कोई भी यहाँ पिछले जन्म की बातों को ना जोड़ें तो अच्छा है। इसके पहले हम चाहेंगे कि आप अपने साथ एक प्रयोग करके देख लें कि जब आप भूतकाल की बातें या पास्ट की बातें सोचते हैं तो सोचते कब हैं, वर्तमान में बैठकर ना। क्या वो बात पूर्व जन्म की है, या तो दस दिन पहले की होगी, या बीस दिन, या एक महीना, या तीन महीना, यही ना। तो उस बात को आज ही क्यों आपके पास आना था। क्योंकि पहले आपने कभी ना कभी इसे सोचा है। इसलिए हम बार-बार कह रहे हैं कि पूर्व जन्म की घटनायें तो बहुत दूर की बात है, हम तो अभी की बात कर रहे हैं। इसलिए बहुत ध्यान देने की ज़रूरत है कि आप क्या सोच रहे हैं, किसके बारे में सोच रहे हैं, कितने समय से सोच रहे हैं, वो आने वाले समय में फलीभूत होगा ही। यदि आपने किसी व्यक्ति के साथ गहरा मोह रखा, उसके साथ गहरा लगाव हो गया, तो चार से छः महीने के अंदर उसकी सारी बीमारियाँ, परिस्थितियाँ, उसके घर की बातें, आर्थिक बातें, सामाजिक बातें, सब आपके पास आ जायेंगी, और ये कोई समझ नहीं पा रहा है। आपको हम बता दें, कि एक फॉर्मूला है कि 'एनर्जी फ्लोज़, व्हेयर योर अटेंशन गोज़', जहाँ हमारा ध्यान गया, वहाँ की सारी ऊर्जा, नकारात्मक या सकारात्मक, सब हमारे पास आ जायेगी, ये निश्चित रूप से संभव है, और यही आम इंसान के साथ हो रहा है। उनको लगता है कि मैंने अभी तक ऐसा तो कोई कर्म नहीं किया। लेकिन अगर किसी व्यक्ति के साथ लगाव है, जुड़ाव है तो उसका सबकुछ आपके पास है। अगर आपको इतिहास की एक घटना पता हो कि हुमायूँ की एक बार तबियत बहुत खराब हुई और सभी हकीमों ने हाथ खड़े कर दिए तो उसके पिता बाबर ने दिल से बैठकर गुहार लगाई कि इसकी सारी बीमारियाँ मुझे लग जाए, और वो उसे लग गई। क्योंकि वो हुमायूँ को ज़िंदा देखना चाहता था, वो उससे बहुत प्यार करता था। ये तो कहानी है, लेकिन प्रत्यक्ष रूप में भी परमात्मा हमें बार-बार अटेंशन दिला रहे हैं कि किसी देह या देह के सम्बंधी के साथ अपना लगाव नहीं रखो, नहीं तो विकर्म या पापकर्म बन जायेंगे और आप इससे कभी निकल नहीं पायेंगे।

ब्र.कु.अनुज,दिल्ली

उपलब्ध पुस्तकें
जो आपके जीवन को बदल दे

प्रश्नः भक्त श्रीकृष्ण को भगवान का ही रूप मानते हैं। उनकी सभी कहानियों से ये भी स्पष्ट होता है कि उनके पास अनंत शक्तियाँ थीं, क्या आप भी उन्हें भगवान मानते हैं?

उत्तरः ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व-विद्यालय में जो ज्ञान दिया जाता है वो स्वयं ज्ञान सागर निराकार परमात्मा ने ब्रह्मा के द्वारा दिया, वो ही ज्ञान सम्पूर्ण सत्य है और मनुष्य को पतित से पावन बनाने वाला है। ज्ञान देते हुए उन्होंने बताया कि किसी भी देहधारी को भगवान नहीं कहा जाता, जबकि श्रीकृष्ण को तो अपना देह है। उन्होंने जन्म भी लिया और देह भी छोड़ा, जबकि परमात्मा तो जन्म मरण से न्यारे हैं। इसलिए श्रीकृष्ण भगवान नहीं परंतु भगवान के समान अवश्य हैं, नेक्स्ट टू गॉड हैं।

जब कोई भी आत्मा सम्पूर्ण पवित्र बन जाती है तो वह बहुत शक्तिशाली हो जाती है। यही रहस्य है श्रीकृष्ण के शक्तिशाली होने का, लेकिन उनकी अलौकिक शक्ति मनुष्यों के संहार के लिए नहीं बल्कि दुर्गुणों और आसुरी शक्तियों के संहार के लिए है।

प्रश्नः श्रीकृष्ण जी के बारे में ये जो मान्यतायें प्रचलित हैं कि उनका जन्म जेल में हुआ और जन्म के समय फूलों की बरसात हुई, जेल के ताले खुल गए और बचपन में ही उन्होंने अनेक असुरों का संहार किया, इनमें से कुछ बातें बड़ी काल्पनिक सी लगती हैं, क्या आप इन बातों से सहमत हैं?

उत्तरः सत्य तो ये है कि श्रीकृष्ण के बारे में पुराणों आदि में जो कुछ भी लिखा है, उनसे सभी विद्वान आदि भी सहमत नहीं हैं। किसी भी महापुरुष के चरित्र के साथ बाद में अनेक बातें जुड़ जाया करती हैं, फिर श्रीकृष्ण जी तो इस सृष्टि के महानायक हैं। उनके बारे में कई लेखकों ने कुछ ऐसी-ऐसी बातें भी जोड़ दी हैं, जो हूबहू वैसी नहीं हैं। असुरों आदि के विनाश की जो बातें लिखी हैं, ये वास्तव में आसुरी वृत्तियों के विनाश की बात है।

श्रीकृष्ण, जिनकी भक्ति में बहुत पूजा हो रही है, वो तो सतयुग के सर्वश्रेष्ठ देवता थे, जो कि बाद में चलकर श्रीनारायण के रूप में सिंहासन पर बैठे, वे सम्पूर्ण पवित्र, सम्पूर्ण अहिंसक और सर्व शक्तियों से सम्पन्न थे। उनके काल में असुर होते ही नहीं। ऐसा लगता है कि द्वापर के अंत में इसी नाम से कोई अति शक्तिशाली और दिव्य पुरुष यहां पर थे, उन दोनों के चरित्र को मिला दिया गया है। क्योंकि सतयुग में किसी के संहार की ज़रूरत नहीं होती, अपितु द्वापर के अंत में कुछ आसुरी शक्तियाँ प्रबल हो जाती हैं।

श्रीकृष्ण जब सतयुग के आदि में इस धरा पर अवतरित हुए तो प्रकृति ने उनका स्वागत किया और फूलों आदि की बरसात हुई, परन्तु उनका जन्म जेल में नहीं, सोने के महल में हुआ था। जो कंस आदि के वध की और उनके माता-पिता को जेल में रखने की कहानियाँ हैं, ऐसा लगता है कि इनके पीछे कुछ आध्यात्मिक रहस्य हैं।

मन की बातें

- राजयोगी ब.कु. सूर्य

प्रश्नः ब्रह्माकुमारीज़ में हम हर जगह ये लिखा पाते हैं कि श्रीकृष्ण आ रहे हैं, हम भी ये पढ़ते-पढ़ते, सुनते-सुनते थक गए हैं, लेकिन श्रीकृष्ण का कोई अता-पता नहीं, वे आएंगे भी या नहीं, या ये आपके प्रचार का ही साधन मात्र है?

उत्तरः ज्ञान सागर परमात्मा ने जब प्रजापिता ब्रह्मा के तन में प्रवेश किया तब सर्वप्रथम उन्हें ही स्थापना और विनाश का सम्पूर्ण साक्षात्कार करा दिया था और कहा था कि अब तुम गहन तपस्या करो और मेरा माध्यम बन जाओ। स्वयं भगवान ने ही ये महावाक्य उच्चारे थे कि आने वाले महाभारी महाभारत युद्ध द्वारा विनाश के बाद श्रीकृष्ण का इस धरा पर आगमन होगा और ये धरा स्वर्ग बन जायेगी।

श्रीकृष्ण तो जल्दी ही आना चाहते हैं, लेकिन लोग सच्चे मन से उनका आह्वान नहीं करते। इसका बड़ा गुह्य अर्थ है। विषय-वासनाओं में लिप्त आत्माओं के आह्वान पर वो देवात्मा नहीं आयेंगे। उनका आह्वान करने के लिए तो स्वयं को पावन बनाना होगा, देवत्व से सम्पन्न करना होगा। यही कारण है कि वो महान देवात्मा सभी के पवित्र होने का इंतज़ार कर रही है। दूसरी बात, उनका आगमन कलियुग की इस तमोप्रधान और पाप से भरी दुनिया में नहीं हो सकता। उनके लिए तो प्रकृति और मनुष्य दोनों का सम्पूर्ण पवित्र होना आवश्यक है।

तो जल्दी-जल्दी आप भी पवित्र बन जाइये और इस तरह जब अनेक मनुष्यात्मायें पवित्र बन जायेंगी तो इस कलियुगी सृष्टि का विनाश हो जायेगा और ये संसार देवताओं के आगमन के लिए तैयार हो जायेगा। हमें पूर्ण विश्वास है कि अब शीघ्र ही आपके इंतज़ार की घड़ियां समाप्त हो जायेंगी और जल्दी ही श्रीकृष्ण इस धरा पर आ जायेंगे।

Contact e-mail - bksurya8@yahoo.com